

प्रेषक,

मनीषा पंवार,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,

उत्तराखण्ड।

समाज कल्याण अनुभाग-2

देहरादून दिनांक 02 सितम्बर 2009

विषय : चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय व्ययक में समाज कल्याण विभाग से सम्बन्धित अनुदान संख्या 15 के आयोजनागत पक्ष में जिला योजना अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या : 515/XXVII/(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई, 2009 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक (जिसमें 01 अप्रैल, 2009 से 31 जुलाई, 2009 तक के लेखानुदान की धनराशि भी सम्मिलित है) के अनुदान संख्या 15 के आयोजनागत पक्ष में जिला योजना के अन्तर्गत विभिन्न मदों में प्राविधानित धनराशि को संलग्न विवरण के अनुसार जनपदवार फांट करते हुये कुल **रु० 35,60,000/-** (रु० पैंतीस लाख साठ हजार रुपये मात्र) की धनराशि को चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में वित्त विभाग के उक्त शासनादेश में उल्लिखित एवं निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. जिलाधिकारी चमोली तथा बागेश्वर द्वारा वृद्ध, अशक्त गृहों/भिक्षुक गृह का अनुरक्षण एवं सुदृढीकरण योजना के अन्तर्गत धनराशि निर्गत/आहरण करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि इस धनराशि का सम्बन्धित मद में व्यय हेतु आवश्यकता है अथवा नहीं है। क्योंकि जनपद चमोली में वृद्ध एवं अशक्त आवास गृह का विभागीय भवन निर्माणाधीन है तथा जनपद बागेश्वर में विभागीय भवन का निर्माण हुये मात्र एक वर्ष का समय व्यतीत हुआ है।
2. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लों निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो।
3. वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए, और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
4. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
5. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में चाहें वो वेतन आदि के सम्बन्ध में हो अथवा आकस्मिक व्यय के सम्बन्ध में सम्पूर्ण मुख्य/लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी और लाल स्याही से अनुदान संख्या-15 आयोजनागत शब्द स्पष्ट लिखा जाए, अन्यथा महालेखाकार कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।
6. संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित कर लें कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए, आवंटन एवं व्यय की स्थिति से यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।

7. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। अवयवबद्ध मदों में व्यय करने से पूर्व वित्त विभाग की सहमति प्राप्त की जाए।
8. यदि किसी अधिष्ठान/योजनाओं के अन्तर्गत जिला योजना में स्वीकृत परिव्यय के अनुसार अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता हो तो अतिरिक्त धनराशि की मांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
9. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्तपुस्तिका के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
10. उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
11. योजना के अन्तर्गत आवंटित धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का मासिक विवरण सीधे शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाये साथ ही बी0एम0-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से निदेशक समाज कल्याण के माध्यम से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
12. किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स 2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम) आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
13. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-15 के आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत संलग्न विवरणों में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामें डाला जायेगा।
14. यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या : 515/XXVII/(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई, 2009 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक :- यथोक्त।

भवदीय,

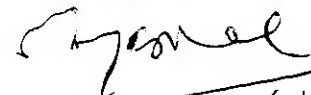
(मनीषा पंवार)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या : 576/XVII-02/09-बजट 10(17)/2009 तदुद्दिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. आयुक्त, गढ़वाल मंडल, पौड़ी/कुमायू मंडल, नैनीताल।
3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
5. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, समाज कल्याण उत्तराखण्ड, हल्द्वानी, नैनीताल।
7. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
8. समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. समाज कल्याण, नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,


31/5/09
(स्नेहलता अग्रवाल)

शासनादेश संख्या : 576 / XVII-02 / 09-बजट10(17) / 2009 दिनांक 02 अगस्त, 2009 का संलग्नक

अनुदान संख्या-15

आयोजनागत

मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235-02-800-11-29

मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण

उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण

लघु शीर्षक : 800-अन्य व्यय

उप शीर्षक : 11-सम्प्रेक्षण गृहों आदि का अनुरक्षण एवं सुदृढीकरण (जिला योजना)

मानक मद : 29-अनुरक्षण

(धनराशि लाख रुपये में)

क्र०सं०	जनपद का नाम	आबंटित धनराशि
1	नैनीताल	2.48
2	ऊधम सिंह नगर	0.41
3	अल्मोड़ा	8.27
4	पिथौरागढ़	0.00
5	बागेश्वर	0.00
6	चम्पावत	0.00
7	देहरादून	7.11
8	पौड़ी	0.00
9	टिहरी	0.00
10	चमोली	0.00
11	उत्तरकाशी	0.83
12	रूद्रप्रयाग	0.00
13	हरिद्वार	0.00
योग		19.10

अनुदान

(रुपये उन्नीस लाख दस हजार मात्र)

शासनादेश संख्या : 576 / XVII-02 / 09-बजट(10(17)/2009 दिनांक 02 अक्टूबर, 2009 का संलग्नक

अनुदान संख्या-15

आयोजनागत

मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235-02-104-05-29
 मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण
 उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण
 लघु शीर्षक : 104-वृद्ध, अशक्त, दुर्बल तथा निःसहाय निराश्रित व्यक्तियों का कल्याण
 उप शीर्षक : 05- वृद्ध, अशक्त, दुर्बल तथा निःसहाय निराश्रित व्यक्तियों का कल्याण
 मानक मद : 29-अनुरक्षण

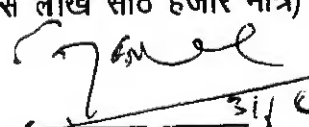
(धनराशि लाख रुपये में)

क्र०सं०	जनपद का नाम	आबंटित धनराशि
1	नैनीताल	0.00
2	ऊधम सिंह नगर	0.00
3	अल्मोड़ा	0.00
4	पिथौरागढ़	0.00
5	बागेश्वर	1.00
6	चम्पावत	0.00
7	देहरादून	0.00
8	पौड़ी	0.00
9	टिहरी	0.00
10	चमोली	0.50
11	उत्तरकाशी	0.00
12	रूद्रप्रयाग	0.00
13	हरिद्वार	15.00
योग		16.50

(रुपये सोलह लाख पचास हजार मात्र)
 (धनराशि रु० लाख में)

महायोग	35.60
--------	-------

(रु० पैंतीस लाख साठ हजार मात्र)


 (स्नेहलता अग्रवाल)
 अपर सचिव।